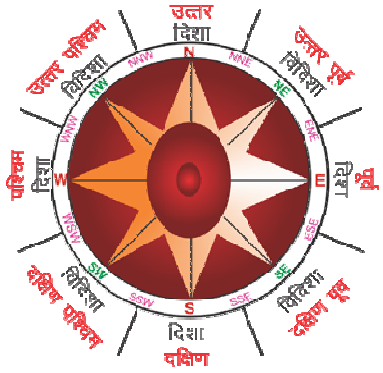

' भूमि वास्तु'

भूमि को आकार, झुकाव, ढलाव और कोणों के अनुसार अनेकों भागों में बांटा गया है। जिससे उसके फायदे और नुकसान का पता चलता है जैसेः—

1. बिल्कुल वृत्ताकार भूमि ज्ञान तथा धनागम के लिए लाभदायक होती है।

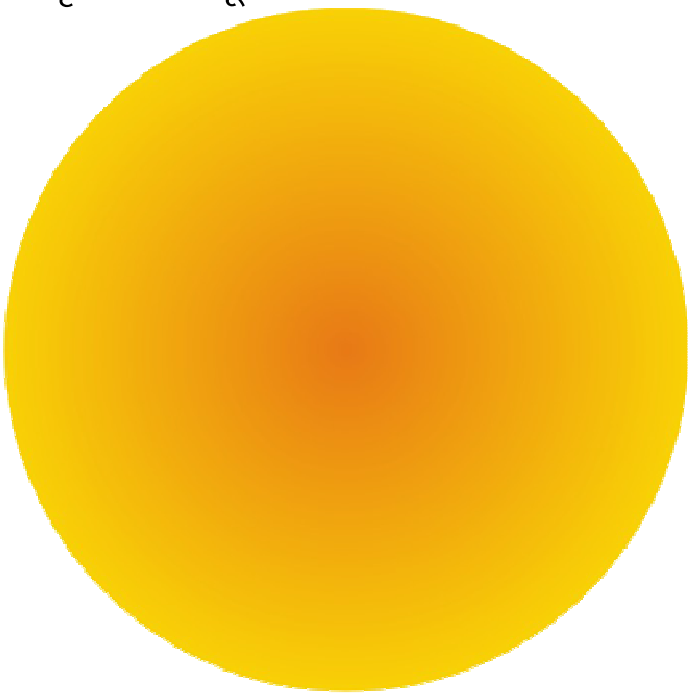

2. छः बराबर भुजा वाली भूमि उन्नतिदायक होती है।

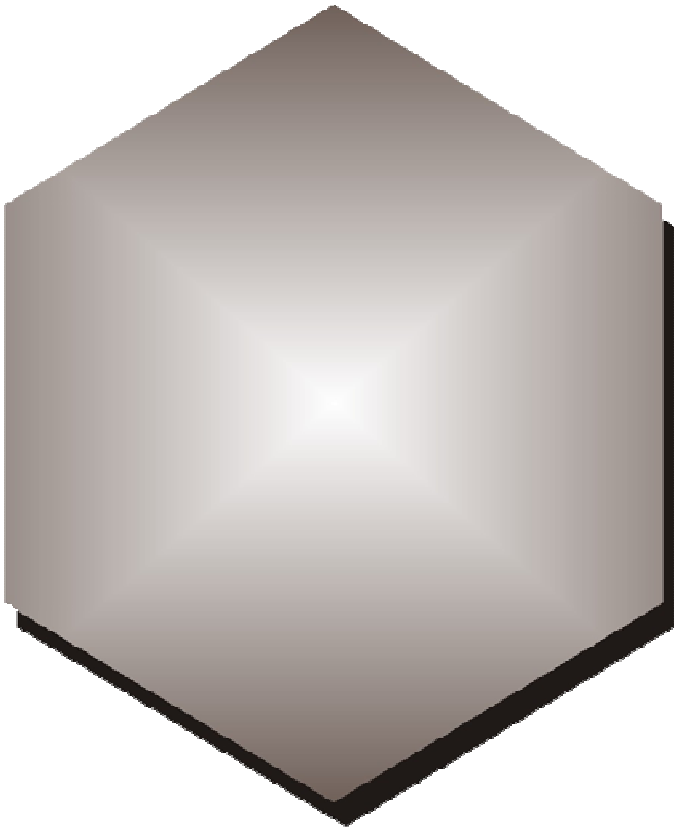

3. गोमुखी भूमि, जिसका अगला भाग पिछले भाग से छोटा हो उसे गोमुखी भूमि कहते हैं। यह वास करने के लिए शुभ पर व्यापार करने के लिए अशुभ होती है।

अगला भाग (Front Side)

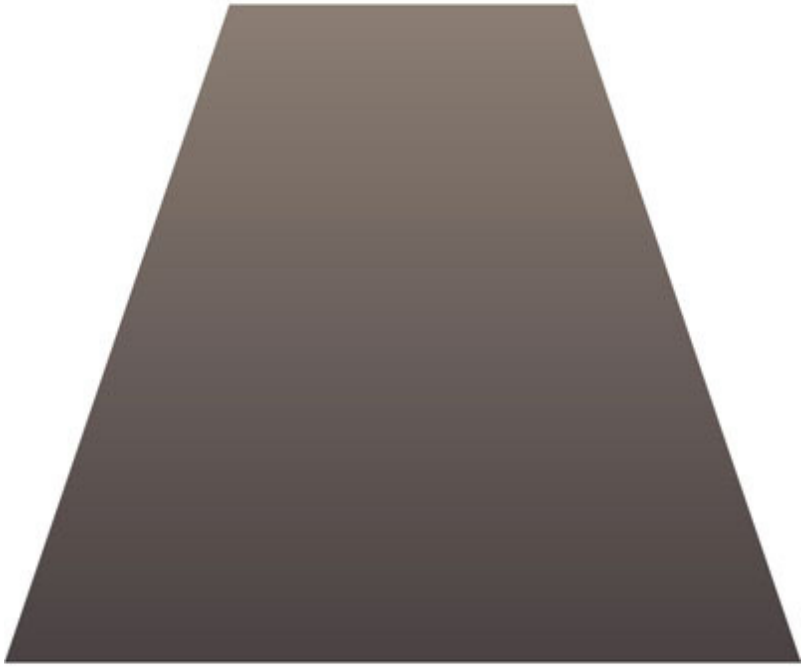

पिछला भाग (Back Side)

4. सिंहमुखी भूमि जिसका अगला भाग पिछले भाग से बड़ा हो उसे सिंहमुखी भूमि कहते हैं। यह व्यापार करने के लिए शुभ पर वास करने के लिए अशुभ होती है।

अगला भाग (Front Side)

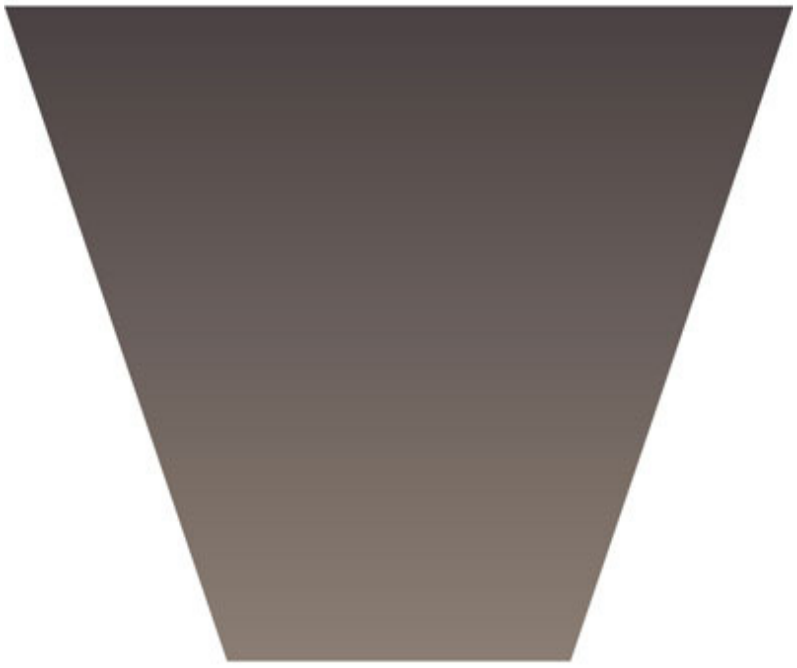

पिछला भाग (Back Side)

5. आठ कोणों वाली भूमि अनेकों प्रकार के कार्यों के लिए शुभ है।

6. ईशान कोण की तरफ बड़ी हुई भूमि श्रेष्ठ भूमि में आती है।

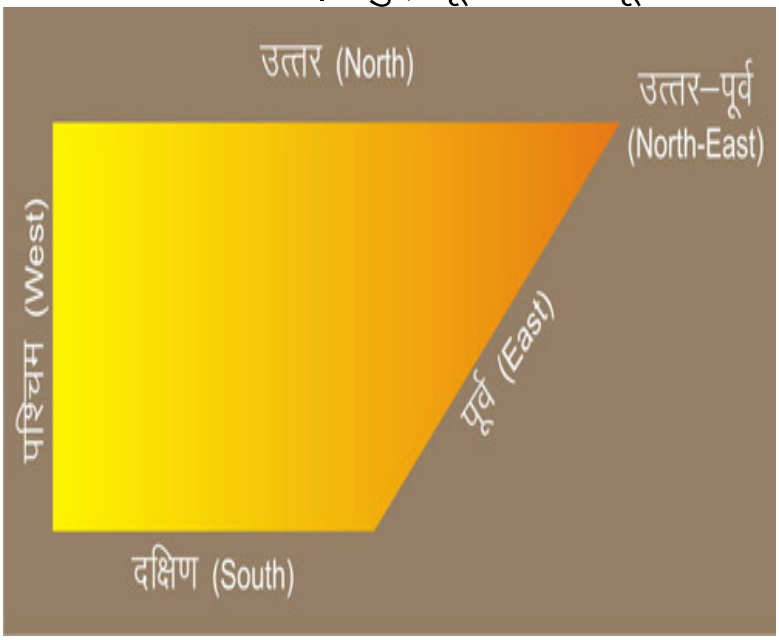

7. पूरी तरह से आयताकार जो एक समतल भूमि पर हो ऐसे भूखण्ड़ के स्वामी को हमेशा ही सफलता प्राप्त होती है।

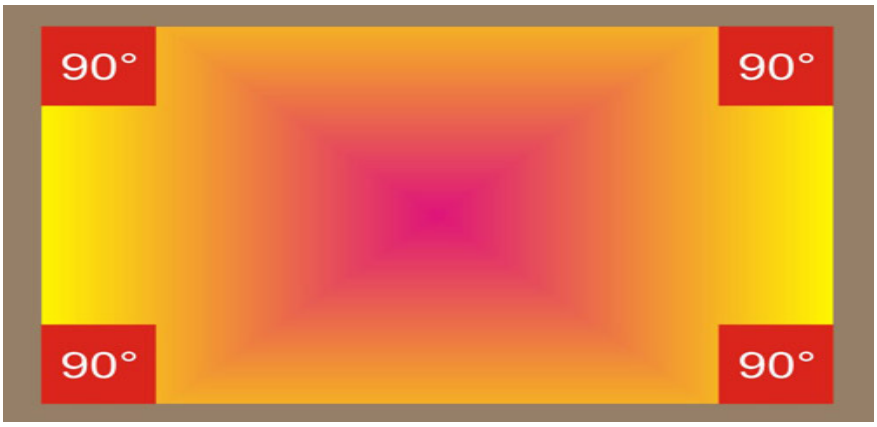

8. सभी भूखण्ड़ों की तुलना में वर्गाकार भूखण्ड़ को उत्तम माना जाता है। ऐसे भूखण्ड़ का स्वामी भाग्यशाली होता है।

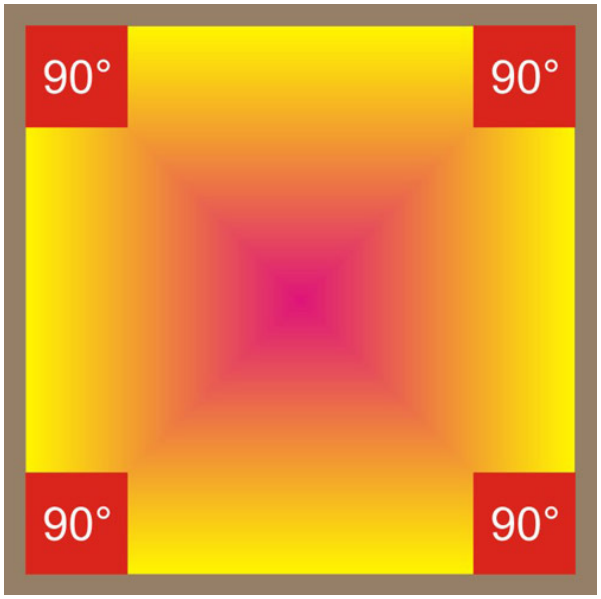

9. ऐसा भूखण्ड़ जिसमे तीन कोने हों तो भूमिस्वामी भूमिवाद– विवाद में फंसा रहता है और लड़ाई–झगड़े का कारण भी बनता है। ऐसे भूखण्ड़ का स्वामी मानसिक रोगी हो सकता है।

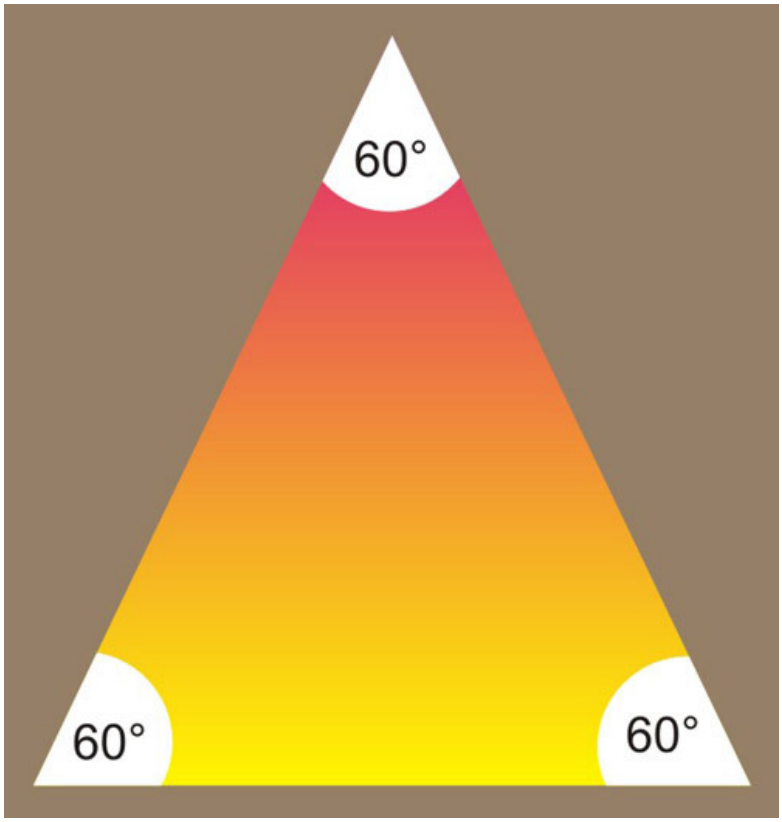

10. यदि भूखण्ड़ ईशान कोण (North/East) की तरफ झुका हुआ है या ईशान कोण की तरफ बड़ा हुआ है तो सबसे अधिक फायदेमन्द होता है तथा धन और आयु में वृद्धि करता है।

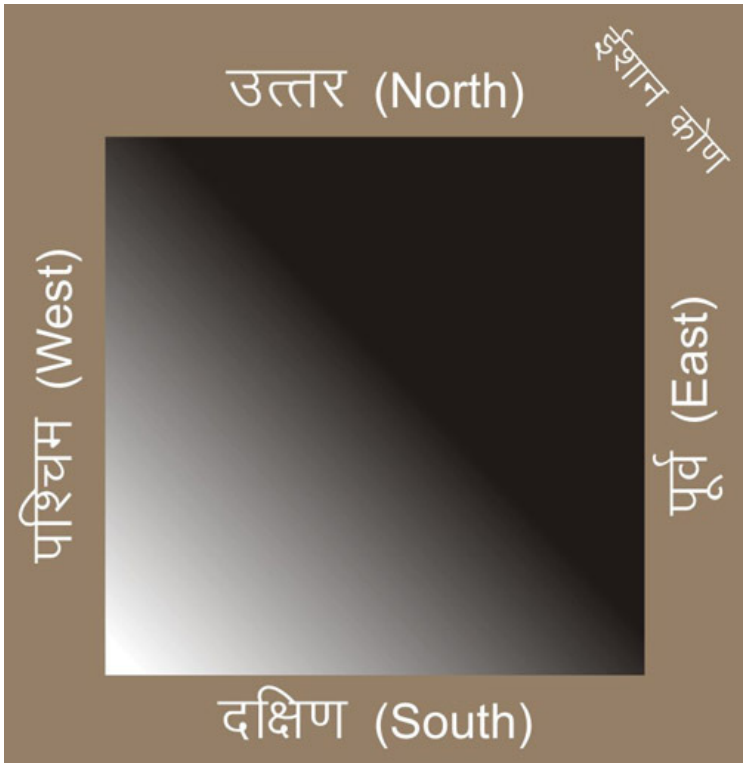

11. यदि भूखण्ड़ बीच में से ऊंचा और चारों तरफ से नीचा है तो यह सभी परिवार वालों के लिए सुख समृधि, शान्ति और उन्नति प्रदान करता है।

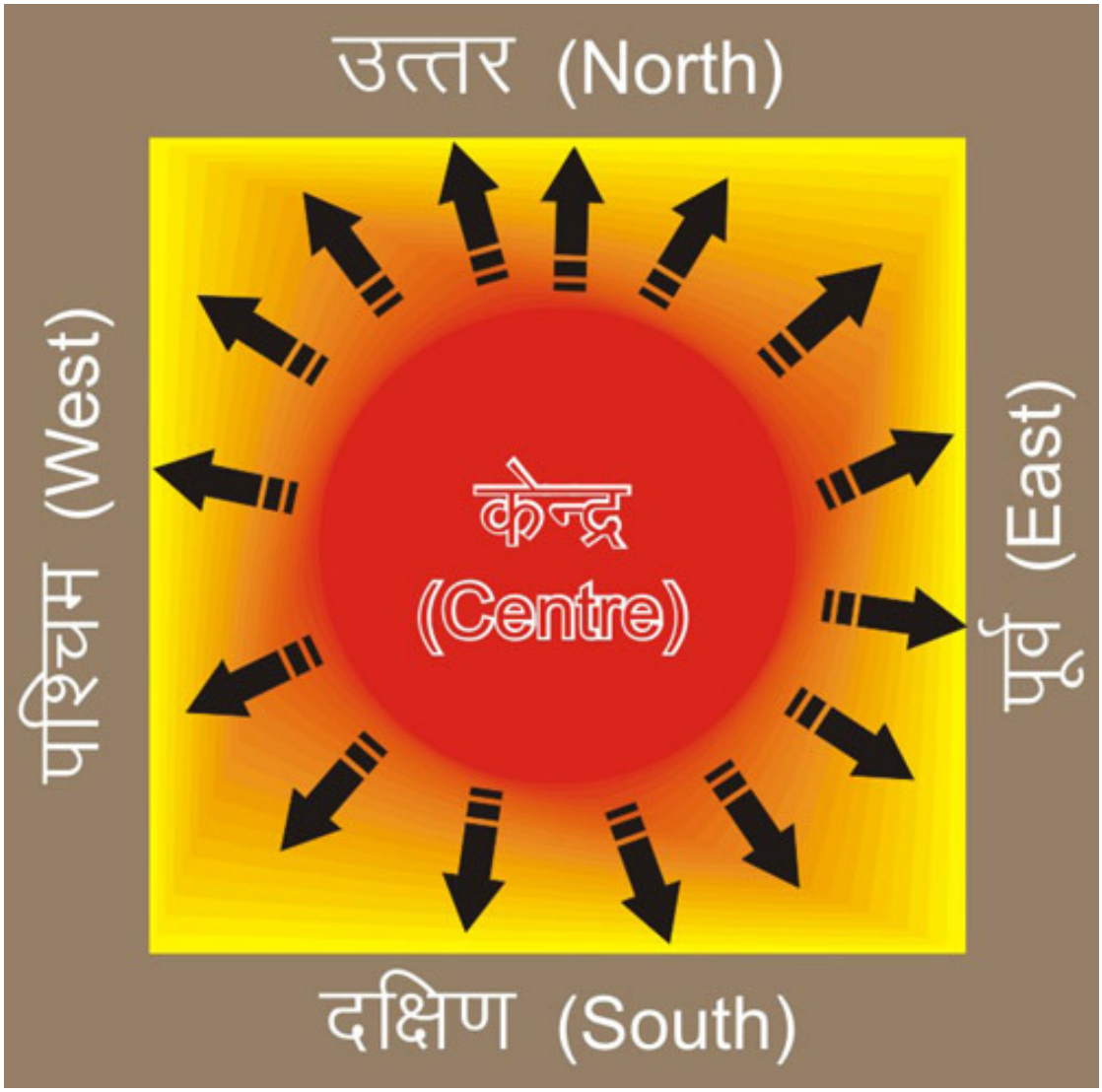

12. पश्चिम (West) की तरफ से झुकी हुई या नीची भूमि परिवार में अशान्ति और अकाल मृत्यु का कारण बन सकती है।

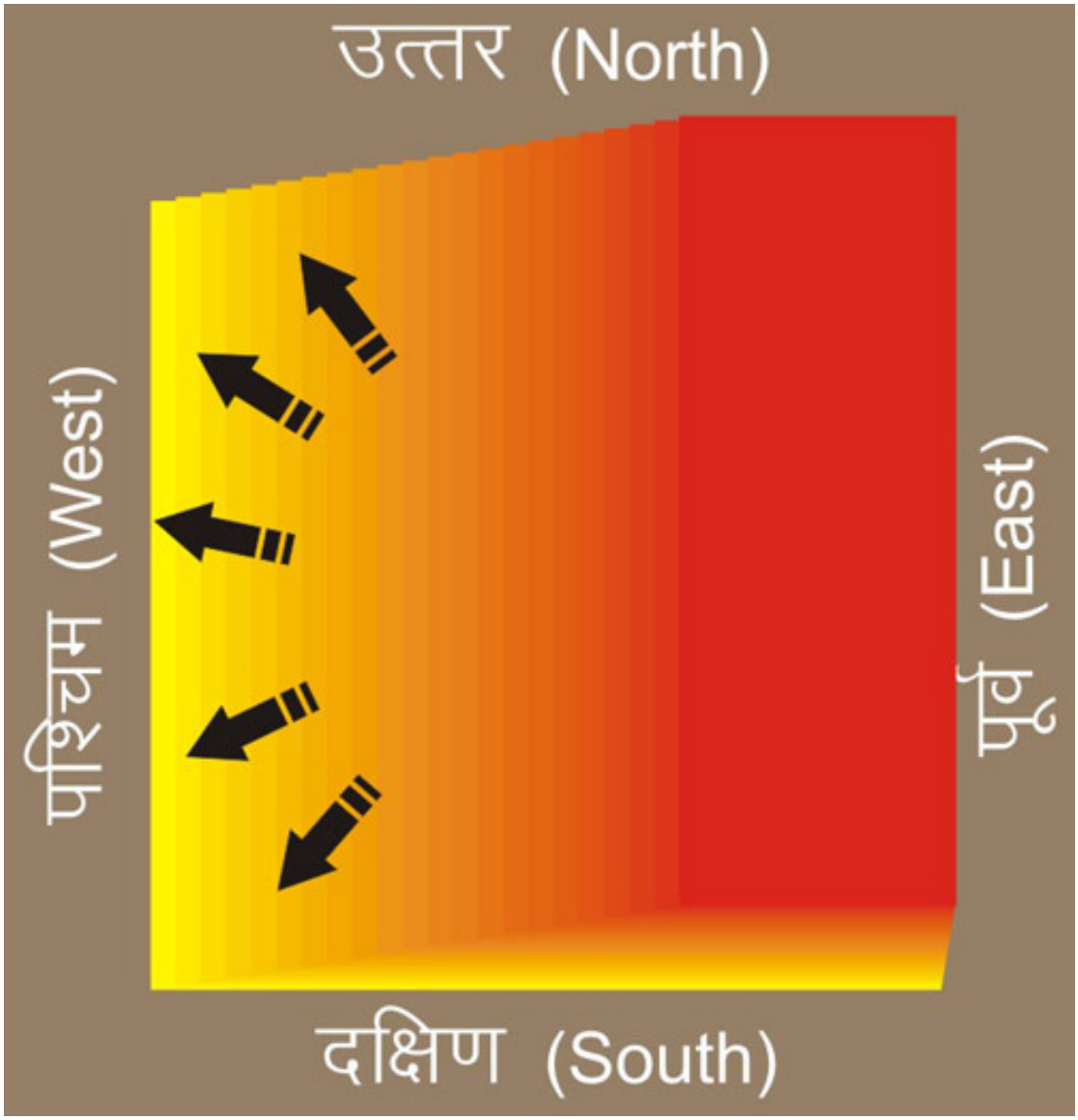

13. ऐसी भूमि जिसकी लम्बाई पूर्व और पश्चिम की तरफ अधिक हो परन्तु उत्तर और दक्षिण दिशा में ऊंची और केन्द्र में नीची भूमि हो तो यह हर प्रकार से हानिकारक बताई गई है।